

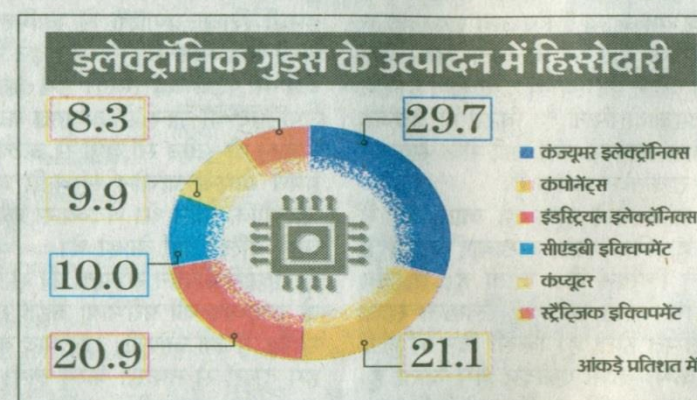
इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बढ़ती खपत से हर वर्ष 15 लाख रोजगार के अवसर

एक रिपोर्ट के अनुसार देश में इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर का उत्पादन 2020 के अंत तक 104 अरब डॉलर का हो जाएगा। इसके साथ

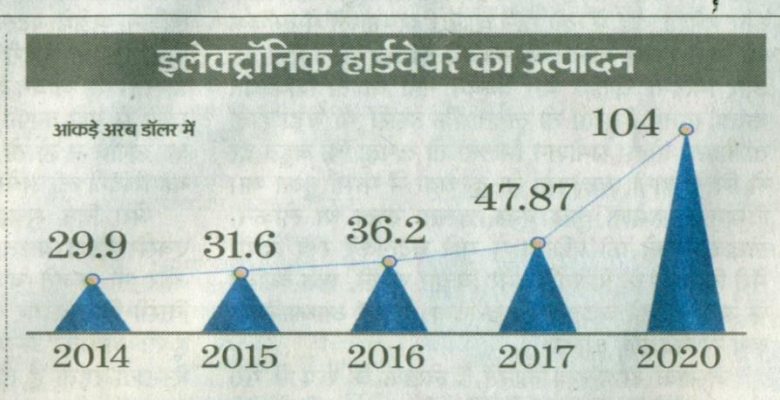
इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की मांग भी सालाना 41% बढ़ रही है। इसके कारण युवाओं के लिए नौकरी के मौके बढ़ने की बेहतर संभावनाएं हैं।

इलेक्ट्रॉनिक गुड्स वर्तमान में सभी घरों की जरूरत हैं। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। देश में मध्यम वर्ग की बढ़ती आबादी से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और खासकर एलईडी टीवी, मोबाइल फोन और कंप्यूटर की खपत बढ़ी है। इससे इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट के उत्पादन में भी तेजी आई है। ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री में ट्रेड प्रोफेशनल की मांग बढ़ी है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर इंडस्ट्री में 2022 के अंत तक देश में हर साल 15 लाख प्रोफेशनल की जरूरत होगी।

हाल ही में एसोचैम और एनईसी टेक्नोलॉजिस द्वारा की गई जॉइंट स्टडी के अनुसार 2017 से 2020 के दौरान देश में इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट की मांग 41 फीसदी की सालाना दर से बढ़ेगी और यह 2020 तक करीब 400 अरब डॉलर की हो जाएगी। वहीं इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का उत्पादन 27 फीसदी की सालाना दर से बढ़ेगा। आईबीईएफ के आंकड़ों में भी यह बात देखने को मिलती है इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के विभिन्न अंगों का भी तेजी से विस्तार हुआ है। सेमीकंडक्टर डिजाइन मार्केट की बात की जाए, तो यह सालाना 29.4 फीसदी की सालाना दर से बढ़ रहा है। इस इंडस्ट्री में विदेशी निवेश भी 14 फीसदी की सालाना दर से बढ़ा है। 2010 में इसमें 9.8 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ था, जबकि 2017 में 24.66 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हो चुका है। देश में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की



बढ़ती मांग, उत्पादन और विदेशी निवेश से रोजगार के नए अवसर बनने की संभावनाएं हैं। एक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर रोजमर्रा के जीवन में प्रयोग होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जुड़ा रहता है। इसके अलावा पेट्रोलियम, ऊर्जा, केमिकल इंडस्ट्री, स्टील, और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी इनकी जरूरत पड़ती है। इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर बिजली व इलेक्ट्रिकल सिस्टम से संबंधी उपकरणों को डिजाइन, डेवलप, रिसर्च और उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में छात्रों को इलेक्ट्रिसिटी, इलेक्ट्रिक सिस्टम, नियंत्रण प्रणाली, संचार- विभिन्न ट्रांसमिशन मीडिया और आधुनिक उपकरणों जैसे माइक्रोप्रोसेसर, वीएलएसआई सर्किट और एफपीजीए जैसे डिजिटल सिस्टम के डिजाइन, संचार आदि के बारे में पढ़ाया जाता है।



एलिजिबिलिटी- इस क्षेत्र में कॅरिअर बनाने के लिए इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक डिग्री होना जरूरी है। बैचलर कोर्स में प्रवेश लेने के लिए छात्रों को फिजिक्स, मैथ्स और केमिस्ट्री विषय से 12वीं पास होनी चाहिए। इंजीनियरिंग के बैचलर डिग्री कोर्स में प्रवेश जेईई के स्कोर के आधार पर मिलता है। कुछ संस्थान खुद का एंट्रेंस टेस्ट भी आयोजित करते हैं। इसके अलावा छात्र इसके डिप्लोमा या बीएससी कोर्स में भी प्रवेश ले सकते हैं। मास्टर डिग्री कोर्स में प्रवेश के लिए छात्रों के पास संबंधित स्ट्रीम में बीई, बीटेक या एमएससी डिग्री जरूरी है। अधिकांश संस्थानों में एमटेक कोर्स में प्रवेश गेट के स्कोर के आधार पर मिलता है। **जॉब प्रॉस्पेक्ट-** इसका कोर्स करने वाले छात्रों के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में नौकरी के अवसर मौजूद हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर केंद्र सरकार,

राज्य सरकार के अधीन संस्थाओं में जॉब कर सकते हैं। इसके साथ ही पब्लिक इंटरप्राइजेस और संस्थानों जैसे ऑल इंडिया रेडियो, इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज, एमटीएनएल, नेशनल फिजिकल लैबोरेटरीज, एआईआर, सिविल एविएशन डिपार्टमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स डिपार्टमेंट में नौकरी कर सकते हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर के लिए एंटरटेनमेंट ट्रांसमिशन इंडस्ट्री, रिसर्च इस्टैबलिशमेंट और डिफेंस में भी विकल्प मौजूद हैं।

कमाई- इस क्षेत्र में कॅरिअर की शुरुआत करने वालों को 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह का सैलरी पैकेज मिल सकता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद सैलरी पैकेज 30 से 40 हजार रुपए प्रति माह हो सकता है। हालांकि इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित प्रोफेशनल की मांग एक से ज्यादा क्षेत्र में होती है, इसलिए सैलरी पैकेज भी अलग-अलग हो सकता है।